आर.एन.आई. नं.- MPHIN/2015/66655

साप्ताहिक समाचार पत्र

त्रिकाल दृष्टि

सच का दर्पण

वर्ष-2 अंक-20, भोपाल, सोमवार, 12 जून से 18 जून 2017 पृष्ठ- 8 मूल्य : 3.00 रूपये www.trikaldrishti.com

संक्षिप्त समाचार

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2017

लखनऊ। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लखनऊ के रमाबाई अंबेडकर मैदान में हजारों लोगों के साथ योग किया. यहां पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि सभी योग प्रेमियों को लखनऊ की धरती से प्रणाम. स्वस्थ मन के बाद जीने की कला योग से सीखने को मिलती है. लगातार हो रही बारिश को लेकर भी पीएम नरेंद्र मोदी ने चुटकी ली कि बारिश आ जाए तो योग मैट का कैसे प्रयोग हो लोगों ने बता दिया है. लखनऊ में लोगों का प्रयास अभिनंदनीय है. योग दुनिया को जोड़ने का काम कर रहा है. तीन साल में योग सीखाने वाली जगहों की तादाद बढ़ी है. भारत में भी योग को शिक्षा का उपक्रम बनाया गया है. फिटनेस भी ज्यादा वेलनेस का योगदान होता है. योग को अपने जीवन का हिस्सा बनाएं. पीएम नरेंद्र मोदी ने आगे कहा कि नमक होता तो थोड़ा सा है लेकिन पूरे शरीर की रचना में उसका महत्व नकारा नहीं जा सकता. जीवन में नमक ना हो तो जीवन नहीं चलता. जैसा जीवन में नमक का सार है, वैसा ही योग का स्थान हम बना सकते हैं. योग जीरो कॉस्ट इंश्योरेंस है. लखनऊ से लंदन तक मनाया जा रहा योग दिवस) पीएम नरेंद्र मोदी 55000 लोगों के साथ योग कर किया. उनके साथ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, राज्यपाल राम नाइक और उनकी कैबिनेट के कई मंत्री भी मौजूद थे. इसके मद्देनज़र वहां कड़ी सुरक्षा तैनात की गई थी, हालांकि रुक-रुक कर हो रही बारिश की वजह से मैदान में कई जगह पानी भर गया है, जिसकी वजह से योग के लिए की गई सारी तैयारियां ख़राब हो गईं,लेकिन लोग फिर भी उत्साह के साथ मैदान में मौजूद थे।

महिला साध्वी फिर चढ़ी पुलिस के हत्थे, राजस्थान के उदयुपर से किया गिरफ्तार

अहमदाबाद। साबरमती सेंट्रल जेल से 10 दिन की पैरोल पर रिहाई के बाद एक निजी अस्पताल में उपचार के लिए लाई गई विवादास्पद महिला साध्वी तथा उत्तर गुजरात के मुक्तेश्वर मठ की पूर्व महंत साध्वी जयश्री गिरी, जो 14 जून को यहां से पुलिस को चकमा देकर फरार हो गई थी, एक बार फिर पकड़ ली गई है। क्राइम ब्रांच के आईजी जे के भट्ट ने मीडिया से इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर साध्वी तथा दो अन्य को मंगलवार को राजस्थान के उदयपुर जिले में नाथद्वारा रोड के एक टॉल नाके के पास एक गाडी से पकड़ा गया है। उसे यहां लाया जा रहा है। इस मामले में चार पुलिसकर्मियों समेत छह लोगों को 15 जून को ही गिरफ्तार किया गया था। वह शहर के थलतेज इलाके में एसजी हाईवे के निकट स्थित जाइडस कैडिला अस्पताल से शहर के हिमालया मॉल गई थीं और वहां से पुलिस को झांसा देकर फरार हो गई। उन्हे साबरमती जेल से चार जून को 10 दिन के पेरोल पर पुलिस निगरानी में जेल से रिहा किया गया था।

पूर्वोत्तर के उग्रवादी और चुनावी राजनीति है दार्जिलिंग हिंसा की वजह : रिपोर्ट

दार्जिलिंग। पश्चिम बंगाल सरकार ने राज्य के दार्जिलिंग जिले में अलगाववादी हिंसा के लिए पर्वतीय परिषद के लिये प्रस्तावित चुनाव और पूर्वोत्तर राज्यों के उग्रवादियों को मुख्य वजह बताया है। राज्य सरकार की तरफ से केंद्रीय गृह मंत्रालय करो भेजी गई रिपोर्ट में दार्जिलिंग जिले में पिछले कुछ दिनों से जारी हिंसा और अनिश्चितकालीन बंद के पीछे चुनावी राजनीति और पूर्वोत्तर राज्यों में सक्रिय उग्रवादियों की मौजूदगी को मुख्य कारण बताया है। गृह मंत्रालय के सूत्रों के मुताबिक राज्य सरकार से मंत्रालय को 17 जून को रिपोर्ट मिल गई थी। रिपोर्ट के मुताबिक दार्जिलिंग जिले में गोरखा जनमुक्ति मोर्चा।

लालू परिवार की जब्त बेनामी संपत्तियों की पूरी लिस्ट, 175 करोड़ है वैल्यू

नई दिल्ली। आयकर विभाग ने आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव के बच्चों की संपत्ति जब्त कर ली है. लालू यादव की कुल संपत्ति की मार्केट में कीमत 175 करोड़ रुपये है. जबकी उसकी किताबी कीमत महज 9.32 करोड़ रुपये दिखाई गई है. सूत्रों के मुताबिक आयकर विभाग ने फौरी तौर पर वो सारी बेनामी संपत्ति जब्त कर ली है जो लालू यादव के बच्चों से जुड़ी हुई बताई जती है.

1. फार्म संख्या-16, पालम फार्म्स, बिजवासन, दिल्ली.

बेनामीदारों के नाम- मिशैल पैकर्स और प्रिंटर्स प्राइवेट लिमिटेड

लाभार्थियों के नाम- मीसा भारती और शैलेश कुमार

किताबी कीमत- 1.4 करोड़ रुपये

मार्केट में कीमत- 40 करोड़ रुपये

2. 1088, न्यु फ्रेंडस कॉलोनी

बेनामीदारों के नाम- एबी एक्सपोर्टस प्राइवेट लिमिटेड

लाभार्थियों के नाम- तेजस्वी यादव, चंदा और रागिनी यादव

किताबी कीमत- 5 करोड़ रुपये

मार्केट में कीमत- 40 करोड़ रुपये

3. जलालपुर में 9 प्लॉट, पीएस दानापुर, पटना

बेनामीदारों के नाम- डिलाइट मार्केटिंग प्राइवेट लिमिटेड, लाभार्थियों के नाम- राबड़ी देवी और तेजस्वी यादव

किताबी कीमत- 1.9 करोड़ रुपये

मार्केट में कीमत- 65 करोड़ रुपये

4. जलालपुर में 3 प्लॉट, पीएस दानापुर, पटना

बेनामीदारों के नाम- एके इंफोसिस्टम

लाभार्थियों के नाम- राबड़ी देवी और तेजस्वी यादव

किताबी कीमत- 1.6 करोड़ रुपये

मार्केट में कीमत- 20 करोड़ रुपये

राबड़ी देवी 18 फ्लैटों की मालकिन

बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री श्रीमती राबड़ी देवी पटना शहर के अंदर 18 Flat और 18 Parking Place की मालकिन हैं. ये 18 Flat कुल 18,652 Sq. ft. में बने हैं जिनकी वे मालकिन हैं. इनकी कीमत आज 20 करोड़ रुपये से ज्यादा है. राबड़ी देवी ने पटना शहर के 2 अलग-अलग स्थानों पर लालू जी के रेल मंत्री या स्वयं के मुख्यमंत्रित्व काल में निम्न जमीन लिखवा लिया.

1. मौजा- जलालपुर, रंजन पथ, थाना- दानापुर, 6 कट्ठा 8 घुर, 9½ धुरकी = 20.074 डिस.

2. मौजा- शेखपुरा, थाना- शास्त्रीनगर, वार्ड नं.-3 6715 Sq. ft. = 15.4155 डिस.

एक जमीन स्व. अरविन्द कुमार यादव के बेटों मनोज, गोपी कृष्ण, राजेश कुमार, बिनोद कमार एवं सुशीला देवी पति अरविन्द यादव से लिखवाई गई. इसमें मनोज कुमार के परिवार को रेलवे में नौकरी दी गई है. इन दोनों भूखण्डों पर फरवरी, 2011 में श्रेया कंस्ट्रक्शन द्वारा अमरेन्द्र कुमार सिन्हा खजांची रोड, पटना के साथ Development Agreement किया गया. इस Agreement के अनुसार कुल 37 हजार 405 Sq.ft. में 36 Flat बनाया जाना था. इसमें दोनों की 50-50 प्रतिशत हिस्सेदारी थी.

अरविन्द यादव के परिवार को आवामी कॉपरेटिव बैंक के माध्यम से चेक दिखाए गए हैं. इनका कभी भुगतान नहीं हुआ. आवामी कॉपरेटिव बैंक के अध्यक्ष अनवर अहमद है जिन्हें लालूजी का 'कबाब मंत्री' कहा जाता था. जिसे लालू ने एमएलसी बनाया और जिनके यहां सीबीआई ने पिछले दिनों नोटबंदी के दौरान फर्जी बैंक खातों के आरोप में छापामारी कर करोड़ों जब्त किया था. रेल मंत्री के नाते नौकरी,ठेका,मदद के एवज में जो जमीन लिखवाई गई.

पाक पर बिगड़ा ट्रंप का मूड, बना रहे हैं आतंकी

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पाक में आतंक के सुरक्षित ठिकानों के खिलाफ सख्त रुख अपनाने के मूड में हैं. वो ऐसे आतंकी ठिकानों को निशाना बना सकते हैं जो पड़ोसी देश अफगानिस्तान में हमलों को अंजाम दे रहे हैं. अमेरिकी प्रशासन के अफसर इस बारे में अपनी रणनीति को अंतिम रूप देने में जुटे हैं. ट्रंप प्रशासन के अफसर पाक पर शिकंजा कसने के लिए कई कदमों पर विचार कर रहे हैं इनमें ड्रोन हमलों की संख्या बढ़ाना या पाक को मिलने वाली आर्थिक मदद को रोकना शामिल हैं. इसके अलावा गैर नाटो सहयोगियों में पाकिस्तान का दर्जा घटाने पर भी विचार चल रहा है. हालांकि ट्रंप प्रशासन के कुछ अफसर ऐसे भी हैं जिन्हें इन कदमों की सफलता पर संदेह है. उनका कहना है कि पाक से उसके यहां चल रहे आतंकवाद पर अंकुश लगवाने के लिए अमेरिका की पूर्ववर्ती सरकारें भी कोशिश करती रही हैं लेकिन उन्हें बहुत ज्यादा सफलता हाथ नहीं लगी।

सोपोर में सेना ने चलाया सर्च ऑपरेशन तो शुरू हो गई मुठभेड़

श्रीनगर। उत्तरी कश्मीर के बारामूला जिले के सोपोर इलाके में पाजलपोर गांव में उग्रवादियों और सुरक्षा बलों के बीच मंगलवार को मुठभेड़ हुई. इसमें आतंकी संगठन हिज्बुल मुजाहिदीन के दो आतंकी मारे गए. इस बीच स्थानीय लोगों ने सुरक्षा बलों के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया, जिसके चलते आतंकियों के खिलाफ अभियान में बाधा पैदा हुई. मुठभेड़ में मारे गए आतंकियों के पास दो च-47 राइफल समेत अन्य हथियार बरामद हुए हैं. आतंकियों के मारे जाने और विरोध प्रदर्शन के बाद से हालात तनावपूर्ण हो गए हैं. ताजा जानकारी के मुताबिक सुरक्षा बलों ने ऑपरेशन खत्म कर दिया है. हाल के दिनों में घाटी में आतंकी हमलों में इजाफा हुआ है। मालूम हो कि सेना ने अपने सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक सोपोर के पाजलपोर गांव में मंगलवार शाम सर्च ऑपरेशन चलाया था।

अवमानना के दोषी जस्टिस कर्णन गिरफ्तार

कलकत्ता। कलकत्ता हाईकोर्ट के सेवानिवृत्त जज जस्टिस सीएस कर्णन को मंगलवार को तमिलनाडु के कोयंबटूर से गिरफ्तार किया गया। वह सुप्रीम कोर्ट द्वारा 9 मई को अदालत की अवमानना के मामले में छह महीने की सजा सुनाए जाने के बाद से फरार थे। कोयंबटूर के पुलिस आयुक्त ए अमलराज ने कहा, कर्णन कोयंबटूर के निकट मुदुकराई के एक अपार्टमेंट में रह रहे थे। हमने उनकी गिरफ्तारी में पश्चिम बंगाल पुलिस की केवल तकनीकी मदद की है। पश्चिम बंगाल ने अपार्टमेंट से कर्णन की गिरफ्तारी की है। जस्टिस कर्णन के वकील मैथ्यू जे नेदुमपारा ने गिरफ्तारी की पुष्टि करते हुए कहा कि उनके मुवक्किल दो -तीन दिन पहले ही कोयंबटूर गए थे। अब पुलिस उन्हें कोलकाता ले जा रही है। इससे पहले मैथ्यू ने सुप्रीम कोर्ट में कहा था कि उनके मुवक्किल हाईकोर्ट के सेवानिवृत्त जज हैं। इसलिए कर्णन को यह जानने का अधिकार है कि सुप्रीम कोर्ट के प्रधान न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली सात जजों की पीठ ने उन्हें क्यों अवमानन का दोषी करार दिया है? गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट ने 9 मई को जस्टिस कर्णन को अवमानना के मामले में छह महीने की सजा सुनाई थी। यह आदेश कर्णन की ओर से प्रधान न्यायाधीश जस्टिस जेएस खेहर और सुप्रीम कोर्ट के छह अन्य जजों को पांच साल की सजा सुनाए जाने के बाद आया था। इससे पहले महीनों जस्टिस कर्णन और सुप्रीम कोर्ट के बीच खींचतान चलती रही।

बीजेपी की राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति चुनाव में वोट बैंक पॉलिटिक्स

नई दिल्ली। एनडीए राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार के तौर पर बिहार के मौजूदा गर्वनर रामनाथ कोविंद के नाम की घोषणा कर चुकी है. जिस तरह से एनडीए के अलावा कई विपक्षी दलों ने रामनाथ कोविंद का समर्थन करने का भरोसा बीजेपी नेतृत्व को दिया है उसके बाद कयास लगाए जा रहे हैं कि देश के अगले राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ही हो सकते हैं. राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार के तौर पर रामनाथ कोविंद के नाम की घोषणा करने के लिये बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह ने खुद प्रेस कॉफ्रेंस की जिसमें उन्होंने कई बार कहा कि रामनाथ कोविंद दलित समाज से आते हैं. उसके बाद कई मंत्रियों और बीजेपी के नेताओं ने रामनाथ कोविंद दलित वर्ग से आते हैं का जिक्र करते हुए मीडिया में बयान और ट्वीटर पर ट्वीट किए. ऐसा लग रहा है कि रामनाथ कोविंद को राष्ट्रपति उम्मीदवार घोषित करने के साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमित शाह की जोड़ी ने 2019 के लोकसभा चुनाव के लिए अपनी चुनावी रणनीति के बिसात बिछाना शुरू कर दिया है।

मासूम के हत्यारों को फांसी देने के लिए यहां जल्लाद ही नहीं

इंदौर। मासूम शिवानी के हत्यारों की दया याचिका राष्ट्रपति की ओर से खारिज होने के बाद जेल अधिकारी इन्हें फांसी देने की तैयारियों में जुट गए हैं। जेल विभाग में पूरे प्रदेश में कोई जल्लाद नहीं होने से दूसरे प्रदेश से जल्लाद बुलाकर फांसी दिलवाई जाएगी। मुख्यालय से इस बारे में निर्देश मांगे गए हैं। जेल विभाग के सूत्रों के मुताबिक किसी भी मामले में दोषी आरोपी की दया याचिका खारिज होने पर कोर्ट उसका ब्लैक वारंट जारी करती है। इसे आम भाषा में डेथ वारंट भी कहा जाता है। इस पर कोर्ट ही फांसी की तारीख भी लिख देती है। इसके बाद फांसी की सजा दी जाती है। अधिकारियों ने बताया कि कई बार कोर्ट सजा देने की तारीख तय करने का अधिकार भी जेल विभाग को देती है और फांसी की सजा का पालन कर कोर्ट को सूचित करने को कहती है। इसके बाद जेल विभाग निर्णय लेता है।

सनी ने सबसे ज्यादा परेशान किया : जेल सूत्रों के मुताबिक शिवानी हत्याकांड के एक आरोपी सनी के कारण सेंट्रल जेल के अधिकारियों को काफी परेशानी उठाना पड़ी। वह अकसर दूसरे कैदियों और प्रहरियों से झगड़े करता है। उसे फांसी की सजा तय होने पर जेल अधिकारियों ने भी राहत की सांस ली है।

फांसी वालों को नहीं करना पड़ता काम : अधिकारियों के मुताबिक फांसी की सजा पाए कैदियों से जेल मेन्युअल के अनुसार काम नहीं करवाया जाता है। सुबह प्रार्थना के बाद वे अपनी बैरकों में जाते हैं। खाने के बाद कैदी मर्जी से काम कर सकते हैं, अन्यथा आराम करते हैं। कई बार इनकी काउंसलिंग भी करना पड़ती है। इन कैदियों को मुलाकात करने की छूट रहती है।

दोबारा बोवनी करने के बाद भी अंकुरित नहीं हुए बीज

इंदौर। एक बार फिर मौसम विभाग की 15 जून तक मानसून आने की खबर ने किसानों को नुकसान पहुंचा दिया है। क्षेत्र में 8-9 जून को हुई बारिश के बाद किसानों ने प्री-मानसून का लाभ लेकर सोयाबीन की जो बोवनी कर दी थी, बारिश में देरी के कारण उसका फायदा नहीं मिला और कई जगह फसल नहीं उगी। कई गांवों में किसानों को दोबारा बोवनी करना पड़ी, लेकिन वह भी ठीक से नहीं बन पाई है।

प्री-मानसून की पहली बारिश में 50 प्रतिशत अंकुरण हो गया था, लेकिन दो-तीन दिन बाद फिर तेज पानी गिर गया। इस कारण पौधे जमीन से बाहर ही नहीं आ पाए। जामली के किसान संतोष पाटीदार का कहना है किसानों ने दोबारा बोवनी की तो ऊपर ही बीज बोया, ताकि कम पानी में भी बीज अंकुरित होकर जल्दी बाहर आ जाए, लेकिन यहां भी किस्मत ने साथ नहीं दिया।

प्री-मानसून के बाद मानसून की आमद ही नहीं हुई। तेज हवा और धूप के कारण मिट्टी की नमी भी खत्म हो रही है। किसानों का कहना है जामली, मानपुर, गवली पलासिया, यशवंत नगर सहित कई गांवों में फसलों की स्थिति चिंताजनक है।

बारिश में देरी से हो रही मुश्किल : लगातार तीन दिन बारिश अच्छी होने से किसान प्री-मानसून का भरपूर लाभ लेना चाहते थे। इसकी बोवनी जम जाती तो मानूसन आने तक फसल काफी आगे बढ़ जाती। इससे बेहतर उपज मिलने की संभावना थी।

अंतरराज्यीय चोर गिरोह से बरामद हुआ 35 तोला सोना

नागदा (उज्जैन)। चोरी के मामले में गुजरात पुलिस के हत्थे चढे अंतरराजीय चोर गिरोह के पास से चोरी का 35 तोला सोना बरामद किया है। इसके साथ ही यहां की दो और चोरियों में गई नकदी भी बरामद हुई है। खास बात यह है कि बिहार के इन छह चोरों के पास से कई ट्रेनों में लंबी दूरी की यात्रा की 157 कन्फर्म रिजर्व टिकट मिले हैं। ये टिकट जुलाई तक की हैं। आरोपियों ने बताया कि वे पूरा नेटवर्क ट्रेनों में ही चलाते थे। एक ट्रेन में वारदात करने के बाद वे दूसरी ट्रेन में सवार होकर अगले शिकार को खोजते और फिर तय स्टेशन पर उतरकर दूसरी ट्रेन में चढ़ जाते थे। शासकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) के अनुसार छपरा राजस्थान निवासी उदय सिंह 25 मई को पुरी-जोधपुर एक्सप्रेस में राजस्थान जा रहा था, तभी रात में भोपाल से नागदा के बीच 35 तोला सोना चोरी हो गया था। मामले में पीड़ित ने जयपुर में आवेदन दिया था। इसके बाद उसने नागदा आकर रिपोर्ट दर्ज करवाई थी। पुलिस ने वारदात के पीछे शातिर गिरोह का हाथ होने की शंका के चलते वारदात का तरीका आसपास के थानों के साथ अन्य प्रदेशों की पुलिस को भी दे दिए।

गुलियन बेरी सिंड्रोम मरीजों के इलाज के लिए एमवाय अस्पताल में फंड ही नहीं

इंदौर। गुलियन बेरी सिंड्रोम...एक खतरनाक वायरस जो नसों को निष्क्रिय कर धीरे-धीरे पूरे शरीर को लकवाग्रस्त कर देता है। एक मरीज के इलाज में 2 लाख रुपए का खर्च होता है। इस तरह के एक-दो नहीं, बल्कि दस मरीज हर महीने अस्पताल में भर्ती हो रहे हैं, लेकिन प्रदेश के सबसे बड़े अस्पताल में गरीब मरीजों के इलाज के लिए पैसे ही नहीं हैं। हर महीने औसतन 20 लाख रुपए गरीब मरीजों की जेब से खर्च हो रहे हैं। मरीजों की बढ़ती संख्या देख प्रशासन ने इसे सरकारी बजट में शामिल करने का प्रस्ताव भी भेजा, लेकिन वह भी ठंडे बस्ते में चला गया। एमवाय अस्पताल में हर महीने 8 से 10 मरीज गंभीर बीमारी गुलियन बेरी सिंड्रोम (नसों का लकवा) के भर्ती हो रहे हैं। इस बीमारी का असर ऐसा होता है कि अस्पताल पहुंचने तक मरीज मरणासन्न हो जाता है। 12 साल का बच्चा आईसीयू में, 20 इम्यूनोग्लोबिन इंजेक्शन की जरूरत : न्यूरोफिजिशियन वार्ड में हमेशा एक-दो मरीज इस बीमारी के भर्ती ही रहते हैं। इस समय भी 12 साल का बाला नाम का बच्चा आईसीयू में भर्ती है। इसके इलाज के लिए कम से कम 20 इम्यूनोग्लोबिन इंजेक्शन की जरूरत है। एक इंजेक्शन की कीमत 8 हजार रुपए है, लेकिन गरीब माता-पिता एक भी इंजेक्शन का इंतजाम नहीं कर पा रहे। विडंबना यह है कि सरकारी अस्पताल में इस खतरनाक बीमारी के इलाज के लिए कोई फंड नहीं है। इसके इलाज के लिए मरीज के परिजन को 2 लाख रुपए इकट्ठा करना नामुमकिन हो जाता है। इंजेक्शन नहीं मिलने से 1 चौथाई मरीज दम तोड़ देते हैं। खेत और मकान सब बिक जाते हैं जीबीएस के मरीजों की जान बचाने के लिए परिवार के मकान से लेकर खेत तक बिक जाते हैं। इसके बाद भी लोग 20 इंजेक्शन खरीदने का पैसा नहीं जुटा पाते। समाज सेवियों की मदद से जैसे तैसे थोड़ी-बहुत मदद हो जाती है, अगर वहां से भी मदद नहीं मिली तो बाजार से ही इंजेक्शन खरीदने की मजबूरी रहती है। सरकार ने 1 अप्रैल से 448 दवाइयों व इंजेक्शन की सूची की दवाई अस्पतालों को भेजी है, लेकिन अब तक अस्पतालों में सभी दवाइयां उपलब्ध नहीं हैं।

श्रावण मास में भगवान महाकाल के भांग श्रृंगार की बुकिंग फुल

उज्जैन। विश्व प्रसिद्ध ज्योतिर्लिंग महाकाल मंदिर में श्रावण-भादौ मास को लेकर तैयारी शुरू हो गई है। मंदिर समिति इस दौरान आयोजित होने वाले श्रावण महोत्सव तथा प्रत्येक सोमवार को निकलने वाली बाबा महाकाल की सवारियों के लिए व्यवस्था में जुटी है। इधर भक्त भी पीछे नहीं हैं। देश-विदेश के भक्तों ने श्रावण मास में भगवान महाकाल का भांग से श्रृंगार करने की बुकिंग करा ली है। एक माह पहले ही श्रावण मास की बुकिंग फुल हो गई है।

इस बार 10 जुलाई से श्रावण मास की शुरुआत होगी। देश-विदेश से दर्शन के लिए भक्त उमड़ेंगे। महापर्व के दौरान प्रतिदिन संध्या आरती में भगवान महाकाल का भांग, सूखे मेवे से आकर्षक श्रृंगार किया जाएगा।

यह श्रृंगार भक्तों की ओर से कराया जाता है। इसके लिए श्रद्धालु मंदिर में 501 रुपए की रसीद कटाकर बुकिंग करा लेते हैं। हालांकि श्रृंगार में 9 हजार रुपए से अधिक खर्च आता है। भक्त पुजारियों के द्वारा श्रृंगार कराते हैं।

पुजारी की भावना लेती है श्रृंगार का रूप

पुजारी प्रदीप गुरु ने बताया पुजारी की भावना भगवान के श्रृंगार का रूप लेती है। इसके दर्शन कर भक्त अभिभूत हो जाते हैं। श्रावण-भादौ मास में आने वाले विभिन्न पर्व व त्योहारों के अनुसार भगवान का श्रृंगार होता है। अवंतिकानाथ शेषनाग, सूर्य, कृष्ण, बालाजी आदि विभिन्न रूपों में भक्तों को दर्शन देते हैं। भक्तों की श्रद्धा के अनुसार भगवान का भांग, मावा, मक्खन आदि से दिव्य श्रृंगार किया जाता है।

खबरें

इस पर पुलिस ने आंसू गैस के गोले छोड़े फिर भी लोग मौके पर डटे रहे

मप्र में पहली बार रोबोट ने संभाली ट्रैफिक व्यवस्था

इंदौर। रविवार शाम बर्फानी धाम (रिंग रोड) चौराहे से निकलने वाले लोग हैरान रह गए। बिना सिग्नल वाले इस चौराहे पर एक रोबोट पूरी ट्रैफिक व्यवस्था संभाल रहा था, जिसने भी यह नजारा देखा, वहीं पर गाड़ी रोककर देखता रहा। हालांकि ट्रैफिक पुलिस का यह ट्रायल था, जो पूरी तरह सफल रहा। डीएसपी (ट्रैफिक) प्रदीप सिंह चौहान ने बताया कि एक निजी इंजीनियरिंग कॉलेज ने डेढ़ साल की मेहनत के बाद इस रोबोट को तैयार किया है। हमने इसका नाम ट्रैफिक रोबोट सिस्टम रखा है। इसकी खासियत है कि इसे एक बार सेट कर देने के बाद इसकी देखरेख की जरूरत नहीं होती है। यह ट्रैफिक अपने हिसाब से मैनेज कर लेता है।

इसमें टाइमर और लाइट सिस्टम के साथ कैमरे भी लगे हैं, जिन्हें आरएलवीडी (रेड लाइट वायलेशन डिटेक्शन सिस्टम) से अटैच किया जा सकेगा। इससे लालबत्ती में सिग्नल पार करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ चालानी कार्रवाई की जा सकेगी। अभी इसका ट्रायल किया जा रहा है। इसे लगाने से चौराहे पर पुलिस बल की जरूरत नहीं होगी। हालांकि इस सिस्टम पर नियंत्रण के लिए दो इंजीनियरों को तैनात करना होगा।

पेटेंट के लिए किया आवेदन : रोबोट बनाने वाले राहुल तिवारी ने बताया कि उनकी जानकारी के अनुसार अभी तक भारत में ऐसा कोई रोबोट नहीं बनाया गया है, इसलिए उन्होंने इसके पेटेंट के लिए आवेदन किया है। सब कुछ ठीक रहा तो वह कुछ और रोबोट तैयार करके पुलिस को देंगे।

यह है रोबोट की खासियत

- 500 किलो लोहे से बना है घूमता रहता है ऊपरी हिस्सा -टाइमर और कैमरों से लैस
- इसकी भुजाएं ट्रैफिक खुलने के हिसाब से एडजस्ट होती रहती हैं
- वाईफाई से जोड़कर कैमरों का व्यू लैपटॉप, टेबलेट और आरएलवीडी सिस्टम से देखा जा सकता है
- एक बार इंस्टाल करने के बाद इसे हटाया भी जा सकता है और दूसरे स्थान पर ले जाया जा सकता है
- अभी यह 12 वॉट के बिजली कनेक्शन से चलता है
- भविष्य में इसे सोलर सिस्टम से अपडेट कर दिया जाएगा।

बस सकता है नया शहर, पुनर्बसाहट से बदलेगी सूरत

इंदौर। 15 वर्षों में शहर तेजी से फैला है। जमीन की कीमतों ने आसमान छुआ है और आबादी का ग्राफ भी बढ़ा है। यदि शहर के मध्य स्थित 10 एकड़ जमीन का सही उपयोग किया जाए तो एक नया शहर तैयार हो सकता है। अलग-अलग चरणों में इस पर काम भी हो रहा है लेकिन समग्र योजना तैयार होने से बेशकीमती जमीन का बेहतर उपयोग हो सकता है। नगर निगम और शिक्षा विभाग की 10 एकड़ जमीन प्राइम लोकेशन पर है। राजवाड़ा व आसपास के हिस्से की पार्किंग समस्या भी यह जमीन हल सकती है। 18 वर्ष पहले इस जमीन के लिए कास्मो सर्कल योजना बनाई गई थी। पहले बनी थी कास्मो सर्कल योजना : 18 साल पहले तत्कालीन निगम परिषद ने कास्मो सर्कल योजना तैयार की थी जिसमें तीन टावर बनना थे। तीसरी व चौथी मंजिल पर पार्किंग थी और उन्हें रैम्प से जोड़ने की योजना थी। एक टावर निगम के लिए था, जबकि दो टावरों में दूसरे विभाग आ सकते थे। पहली व दूसरी मंजिल का उपयोग व्यावसायिक रखा गया था, ताकि उन्हें बेचकर निर्माण की लागत निकाली जा सके। भूमिपूजन तत्कालीन मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने किया था, लेकिन परिषद बदलने के बाद योजना धरी रह गई। बाद में तत्कालीन महापौर उमाशशि शर्मा के समय मराठी स्कूल की जमीन को लेकर योजना तैयार हुई लेकिन वह भी साकार नहीं हो सकी। तत्कालीन महापौर कृष्णमुरारी मोघे ने परिषद हॉल के सामने वाले हिस्से में चार मंजिला बिल्डिंग का काम शुरू कराया था, जो अभी तक जारी है। इसमें महापौर, एमआईसी कक्ष व एक हॉल का निर्माण हो रहा है। वार्डों की संख्या बढ़ने के बाद पुराना परिषद हॉल छोटा है और दर्शक गैलरी तीन फीट से ज्यादा चौड़ी नहीं है।

सरकार किसानों का प्याज खरीदेगी

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने उज्जैन जिले के घिनौदा एवं खाचरौद में कृषकों से किया सीधा संवाद

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने आज उज्जैन जिले के ग्राम घिनौदा एवं खाचरौद में किसानों से सीधा संवाद करते हुए कहा कि राज्य सरकार किसानों का प्याज हर हालत में खरीदेगी। किसानों को खसरा बी-1 की नकलें 15 अगस्त से घर बैठे उपलब्ध करवाई जायेगी। मुख्यमंत्री ने किसानों से कहा कि हर वर्ग के गरीब विद्यार्थियों के लिये मुख्यमंत्री मेधावी छात्र योजना में 12वीं कक्षा में 75 प्रतिशत या इससे अंक प्राप्त करने वाले छात्रों की उच्च शिक्षा के लिये लगने वाली फीस राज्य सरकार वहन करेगी। समर्थन मूल्य पर किसानों की उपज खरीदने का राज्य शासन पुख्ता इंतजाम करेगा। मूंग, अरहर, उड़द की समर्थन मूल्य पर खरीदी प्रदेश में राज्य सरकार कर रही है। सोयाबीन को भी समर्थन मूल्य पर खरीदा जायेगा। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने रतलाम जिले के भ्रमण के बाद गुरूवार 15 जून को दोपहर बाद उज्जैन जिले के खाचरौद तहसील के ग्राम घिनौदा में कृषक संवाद कार्यक्रम में कृषकों से सीधा संवाद किया। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कार्यक्रम में किसानों के पास जाकर उनकी समस्याएँ सुनी और ज्ञापन लेकर समुचित निराकरण का भरोसा दिलाया। उन्होंने कहा कि कृषि उपज मंडी में किसानों की उपज का चेक से भुगतान करने से किसानों को आ रही समस्या से अब मंडी में उनकी उपज का यथासंभव नगद भुगतान किया जायेगा अथवा आरटीजीएस के माध्यम से किसानों के खातों में भुगतान जमा करवाया जायेगा। उपज का भुगतान किसानों को चौबीस घंटे के भीतर प्राप्त हो इसके हरसंभव प्रयास किए जायेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि किसानों और व्यापारियों दोनों की समस्याओं पर पूरा ध्यान दिया जायेगा। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि प्रदेश के इतिहास में पहली बार है, कि किसानों का प्याज मालगाड़ी (रेल) से भिजवाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि रेक के द्वारा प्याज जबलपुर, छिंदवाड़ा आदि स्थानों पर भेजा जा रहा है। किसानों का प्याज 30 जून तक खरीदने का पूरा प्रयास किया जा रहा है। प्याज बेचने से बचे हुए किसानों का प्याज 30 जून के बाद भी खरीदने का प्रयास किया जायेगा। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि हाल ही में मंदसौर जिले में घटित दुर्भाग्यपूर्ण घटना से वे आहत हैं। प्रदेश में सुख-समृद्धि लाने में किसी प्रकार की कोई कोर-कसर नहीं रहेगी। दोषियों को बख्शा नहीं जायेगा और उन पर नियमानुसार कार्यवाही की जायेगी।

स्मार्ट सिटी की तर्ज पर स्मार्ट विलेज विकसित होंगे: डॉ. मिश्र

भोपाल। जनसंपर्क, जल संसाधन एवं संसदीय कार्य मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्र ने आज दतिया जिले के ग्राम सीतापुर एवं मलकपहाड़ी में 70 करोड़ रुपए लागत की समूह नल-जल योजना का शिलान्यास किया। डॉ. मिश्र ने इस अवसर पर कहा कि माताओं और बहिनों को कुओं एवं हैण्ड़पंपों पर पानी भरने की समस्या से निजात दिलाने के लिये समूह नल-जल योजनाएं बनाई जा रही हैं। इन योजनाओं के पूरा होने पर हर घर में नल से पानी मिलने लगेगा। जनसंपर्क मंत्री ने कहा कि इस योजना के तहत् 70 करोड़ रुपए की लागत से 61 गाँवों में सिंध नदी से पानी लाकर सप्लाई दी जायेगी। जनसंपर्क मंत्री डॉ. मिश्र ने कहा कि अब हम स्मार्ट सिटी की तर्ज पर स्मार्ट विलेज विकसित करेंगे। अब किसानों को मूलधन पर भी छूट दी जा रही है। एक सौ रुपए के बदले में सरकार केवल 90 रुपए वापस लेगी। उन्होंने किसानों से फसल बीमा भुगतान के संबंध में जानकारी ली। जनसम्पर्क मंत्री ने किसानों से फसलों का बीमा कराने की अपील की। डॉ. नरोत्तम मिश्र ने मुरेरा निवासी श्री हरीसिंह यादव को मुख्यमंत्री निर्माण श्रमिक योजना के तहत उनकी पुत्री हेमा के विवाह के लिए 25 हजार रुपए की आर्थिक सहायता राशि भी प्रदान की।

राज्य महिला आयोग द्वारा जन-जागृति के लिये समितियाँ गठित

भोपाल। मध्यप्रदेश राज्य महिला आयोग द्वारा महिला उत्पीड़न, नारी के प्रति अपराध और घरेलू हिंसा एवं अन्य अपराधों को रोकने के लिये एवं समय रहते सूचना देने एवं जन-जागृति के उददेश्य से विभिन्न श्रेणी की 6 समितियों का गठन किया गया है। ये समितियाँ समाज में महिलाओं के प्रति स्वस्थ मानसिकता विकसित करने, सामाजिक कुरीतियों को दूर करने, अपराध की सूचना ग्रामीण क्षेत्र से आयोग तक पहुँचाने, शोध कार्य करने, आयोग को सुझाव देने एवं महिला सशक्तिकरण के लिए सामाजिक क्षेत्र में बुनियादी कार्य करेंगी। आयोग द्वारा नारी के प्रति सामाजिक विसंगति के विशेष मामलों, रूढ़ियों के आधार पर संज्ञान में लिए मामलों के निपटारे में सहयोग के लिए समितियों की मदद ली जायेगी। आयोग की अध्यक्ष श्रीमती लता वानखेड़े एवं आयोग के समस्त सदस्यों द्वारा मध्यप्रदेश राज्य महिला आयोग अधिनिम प्रावधानों के तहत इन समितियों की घोषणा की गई है।

मध्यप्रदेश राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष श्रीमती वानखेड़े ने बताया है कि आयोग द्वारा सलाहकार, दिव्या, करूण, मुक्ति, आनन्द एवं आयोग सखी समिति का गठन किया गया है। आयोग द्वारा घोषित समितियों की 19 जून को एक दिवसीय कार्यशाला भोपाल में आयोजित की गई है।

योजना

मुख्यमंत्री द्वारा जावरा में स्कूल की घंटी बजाकर स्कूल चले हम अभियान का शुभारम्भ

खूब पढ़ो-खूब बढ़ो, अनन्त आकाश में उड़ान भरो- मुख्यमंत्री श्री चौहान

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने आज रतलाम जिले के जावरा में 'स्कूल चलें हम अभियान 2017' का राज्य स्तरीय शुभारम्भ करते हुए पालकों को शपथपूर्वक संकल्प दिलाया कि अपने बच्चों को स्कूल अवश्य भेजेगें। श्री चौहान ने बच्चों को आशीर्वाद देते हुए कहा कि 'खूब पढ़ें, खूब बढ़ें' और अनंत आकाश में उड़ान भरें। मुख्यमंत्री ने जिले के शिक्षकों और विद्यार्थियों को बारहवीं कक्षा के परिणामों में जिले को अव्वल बनाने के लिये बधाई और शुभाकामनाएँ दीं, शिक्षकों के समर्पण और परिश्रम के लिये सार्वजनिक रूप से सभी शिक्षकों का अभिनंदन किया और प्रवीण्य सूची में राज्य स्तर पर जिले का नाम गौरवान्वित करने वाले प्रतिभावान छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया। मुख्यमंत्री ने ध्वज फहराकर एवं स्कूल की घंटी बजाकर 'स्कूल चलें हम अभियान 2017' का शुभारम्भ किया।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने रतलाम जिले के निवासियों, शिक्षकों और विद्यार्थियों से कहा कि बच्चों को अच्छी शिक्षा दें। शिक्षकों को किसी भी प्रकार की चिंता करने की जरूरत नहीं हैं। उन्होने बच्चों से बातचीत करते हुए कहा सबसे जरूरी ज्ञान हैं और ज्ञान प्राप्ति के लिये शिक्षा आवश्यक है। अच्छी पढ़ाई करने के लिये प्रात: जल्दी उठना चाहिए। अच्छे नागरिक बनने के लिये सच बोलना चाहिए। गुरूजनों का सम्मान करना चाहिए। श्री चौहान ने कहा कि प्रत्येक बच्चा स्कूल जाये, इसके लिये सभी को सार्थक प्रयास करना चाहिये। बच्चों को स्कूल भेजने के लिये प्रेरक बनने की अपील करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रेरक बनकर स्कूल में बच्चों के साथ समय बितायें और विद्यालय में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिये माहौल तैयार करते हुए निरंतर निगरानी करें ताकि विद्यार्थी बेहतर परिणामों के साथ योग्य नागरिक बनें।

उच्च शिक्षा की फीस सरकार भरेगी: कक्षा 12वीं तक की किताबें नि:शुल्क मिलेंगी

मुख्यमंत्री श्री शिवराजसिंह चौहान ने बताया कि 75 प्रतिशत से अधिक अंक लाने वाले सभी विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के लिये अब फीस की चिंता करने की जरूरत नहीं है। मेडिकल कॉलेज, इंजिनियरिंग कॉलेज या अन्य किसी संस्थान में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों की फीस सरकार भरेगी। पैसों और सुविधाओं के अभाव में प्रदेश के बच्चों के सपने टूटने नहीं देंगे। उन्होने विद्यार्थियों से अपेक्षा की कि अपने जीवन और दिनचर्या का नियमन करें। श्री चौहान ने स्वामी विवेकानंद के सूत्र वाक्य 'उठो, जागो और लक्ष्य प्राप्ति तक रूको नहीं' से प्रेरणा लेकर आगे बढ़ने का आव्हान किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पढ़ाई में पैसा कभी भी बाधक नहीं बनेगा। कक्षा पहली से 12वीं तक के सभी विद्यार्थियों को अब पुस्तकें नहीं खरीदना पड़ेगी। उन्हें पुस्तकें नि:शुल्क उपलब्ध करवाई जायेंगी। श्री चौहान ने विद्यार्थियों के लिये मध्यप्रदेश शासन द्वारा संचालित नि:शुल्क साईकिल, गणवेश, पुस्तकें, छात्रवृत्ति वितरण इत्यादि की योजनाओं की जानकारी दी। उन्होने कहा कि शिक्षा के मामले में किसी के साथ भी किसी भी प्रकार का भेदभाव नहीं किया जायेगा।

मेधावी विद्यार्थी सम्मानित : मुख्यमंत्री श्री चौहान ने 12वीं कक्षा की राज्य स्तरीय प्रावीण्य सूची में आठवां स्थान प्राप्त करने वाली उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय की छात्रा कुमारी ऋचु पिता श्री बाबूलाल गुजराती, हाई स्कूल परीक्षा परिणाम की राज्य स्तरीय प्रावीण्य सूची में द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाली सरस्वती शिशु मंदिर जावरा की कुमारी आचल पिता श्री अनिल सालीत्रा, शालेय खेलकूद प्रतियोगिता में फुटबाल (अंडर 14) में राष्ट्रीय स्तर पर जिले से प्रतिनिधित्व करने वाली कमला नेहरू कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय जावरा की छात्रा आर्शिन खॉन एवं हेण्डबाल (अंडर 19) में इसी विद्यालय की छात्रा कुमारी मुस्कान को सम्मानित किया। कहानी उत्सव प्रतियोगिता में जिला स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली कन्या माध्यमिक विद्यालय सरवन की मुस्कान विनय परमार और जावरा के आराध्य सेठिया को लंदन में शोध पत्र प्रस्तुत करने के लिये भी सम्मानित किया गया। 'स्कूल चले हम' अभियान का नया 'लोगो' लांच मुख्यमंत्री श्री चौहान ने समारोह मे 'स्कूल चले हम' का नये लोगो लांच किया। 'लोगो' में छात्र-छात्रा के अतिरिक्त पालकों को भी सम्मिलित करते हुए प्रदर्शित किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि शिक्षा सभी का अधिकार है। बच्चों के साथ ही पालकों की भी जिम्मेदारी हैं कि वे बच्चों को उनके अधिकार दिलाने में अपनी शत-प्रतिशत सहभागिता, पूर्ण जागरूकता के साथ सुनिश्चित करें। सचिव स्कूल शिक्षा, श्रीमती दिप्ती गौड़ मुखर्जी ने लोगों को विस्तृत जानकारी दी।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने सबसे पहले कार्यक्रम स्थल पर मौजूद स्कूली विद्यार्थियों से मिलकर आशीर्वाद दिया और पुष्प वर्षा कर अभिनंदन किया। समारोह में स्कूल शिक्षा मंत्री श्री विजयशाह, प्रभारी मंत्री एवं तकनीकी शिक्षा राज्य मंत्री श्री दीपक जोशी, सांसद श्री सुधीर गुप्ता, विधायक श्री जितेन्द्र गेहलोत, श्रीमती संगीता चारेल और श्री मथुरालाल डामर, महापौर डॉ. सुनिता यार्दे, मध्यप्रदेश वित्त आयोग के अध्यक्ष श्री हिम्मत कोठारी, जिला पंचायत के अध्यक्ष श्री प्रमेश मईड़ा, केन्द्रीय सहकारी बैंक के अध्यक्ष श्री अशोक चौटाला, अन्य जन-प्रतिनिधिगण, विद्यार्थी एवं गणमान्य नागरिक मौजूद थे।

सम्पादकीय

नवकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में आगे बढ़ता मध्यप्रदेश

भोपाल। वर्तमान समय में दीर्घकालीन जीवन के लिये बेहतर पर्यावरण और इसके लिये गैर-पारम्परिक ऊर्जा स्त्रोतों के उपयोग तथा दोहन का महत्व निरंतर बढ़ रहा है। इसके अतिरिक्त बढ़ते औद्योगीकरण की वजह से ऊर्जा की आवश्यकता भी निरंतर बढ़ती जा रही है। ऊर्जा के लिये जीवाश्म ईंधनों के अधिकाधिक उपयोग से पर्यावरण पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है और वातावरण में निरंतर परिवर्तन हो रहा है।

नया विभाग-नयी नीतियाँ : मध्यप्रदेश सरकार ने देश में सर्वप्रथम एक स्वतंत्र मंत्रालय की दिशा में पहल कर नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा विभाग का अप्रैल, 2010 में गठन किया। नवीन और नवकरणीय ऊर्जा स्त्रोतों के सुनियोजित विकास पर ध्यान देते हुए ऊर्जा नीति-2006 के स्थान पर निवेशक प्रोत्साहन नीतियाँ जैसे- बॉयोमास आधारित विद्युत उत्पादन क्रियान्वयन नीति-2011, लघु जल विद्युत उत्पादन परियोजना क्रियान्वयन नीति-2012, पवन ऊर्जा परियोजना क्रियान्वयन नीति-2012, सौर ऊर्जा परियोजना क्रियान्वयन नीति-2012 एवं सौर ऊर्जा पार्क परियोजना क्रियान्वयन नति-2012 का क्रियान्वयन किया गया। इससे प्रदेश में नवकरणीय ऊर्जा के विकास का मार्ग प्रशस्त हुआ। परिणामस्वरूप आज प्रदेश नवकरणीय ऊर्जा उत्पादन में अहम स्थान पर है।

3125 मेगावाट उत्पादन: वर्तमान में नवकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में कुल 3195 मेगावॉट उत्पादन किया जा रहा है। इसमें पवन ऊर्जा से लगभग 2226.5 मेगावॉट, सौर ऊर्जा से लगभग 790.52 मेगावॉट, बॉयोमास ऊर्जा से 92 मेगावॉट और लघु जल विद्युत ऊर्जा से लगभग 86.35 मेगावॉट का उत्पादन किया जा रहा है। प्रतिवर्ष लगभग 22.72 लाख टन कार्बन डाई आक्साइड (Cow) के उत्सर्जन में कमी आयी है। देश की सबसे बड़ी एवं विश्व की तीसरी सबसे बड़ी 130 मेगावॉट की सौर परियोजना प्रदेश के नीमच जिले के ग्राम डीकेन में स्थापित की गयी। इस परियोजना के लिये प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा प्रदेश को सम्मानित किया गया।

विश्व का सबसे बड़ा सौर ऊर्जा संयंत्र रीवा में : विश्व का सबसे बड़ा 750 मेगावॉट क्षमता का अल्ट्रा मेगा सोलर पॉवर प्लांट प्रदेश के रीवा जिले की गुढ़ तहसील के ग्राम बरसेता पहाड़, बदवार, रामनगर पहाड़, ईटार पहाड़ की असिंचित भूमि पर स्थापित किया जायेगा। यह परियोजना दुनिया की सबसे सुनियोजित तरीके से स्थापित की जाने वाली पहली एवं महत्वपूर्ण सौर ऊर्जा परियोजना होगी। परियोजना का क्रियान्वयन भारत सरकार के उपक्रम 'सोलर इनर्जी कॉर्पोरेशन ऑफ इण्डिया' (सेकी) और राज्य शासन के उपक्रम 'म.प्र. ऊर्जा विकास निगम' की संयुक्त कम्पनी के माध्यम से किया जायेगा। परियोजना में लगभग 5000 करोड़ का निवेश होगा।

सौर ऊर्जा पार्क और परियोजनाएँ : प्रदेश में इसके अतिरिक्त 2000 मेगावॉट के 4 अन्य सौर पार्क एमएनआरई द्वारा स्वीकृत हैं। इसमें नीमच-मंदसौर सौर पार्क-500 मेगावॉट, राजगढ़-मुरैना सौर पार्क-500 मेगावॉट, शाजापुर-आगर सौर पार्क-500 मेगावॉट तथा छतरपुर में 500 मेगावॉट के सौर पार्क के लिये भूमि चिन्हांकित की गयी है। केन्द्रीय सार्वजनिक उपक्रमों द्वारा भी प्रदेश में सौर परियोजनाएँ स्थापित की जा रही हैं। इसमें एनटीपीसी-750 मेगावॉट, कोल इण्डिया लिमिटेड-450 मेगावॉट, ओआईएल/आईओसी-500 मेगावॉट, मोइल (Moil)-20 मेगावॉट और नालको (NALCO)- 20 मेगावॉट की सौर परियोजना स्थापित करेगा।

वर्ष 2014-15 में पवन ऊर्जा के क्षेत्र में 450 मेगावॉट एवं सौर ऊर्जा के क्षेत्र में 205 मेगावॉट की परियोजनाओं के साथ प्रदेश देश में द्वितीय स्थान पर रहा। वर्ष 2015-16 के अंतराल में प्रदेश में 1497.69 मेगावॉट नवकरणीय ऊर्जा क्षमता स्थापित हुई। यह इस वर्ष देश की सर्वाधिक स्थापित क्षमता है एवं देश की कुल स्थापित क्षमता का 24 प्रतिशत है। वर्ष 2015-16 में पवन ऊर्जा की क्षमता 1261.4 मेगावॉट हुई, जो देश में सर्वाधिक है और देश की कुल स्थापित क्षमता का 40 प्रतिशत है।

वर्तमान में नवकरणीय ऊर्जा की 10 हजार 947 मेगावॉट क्षमता की कुल 281 परियोजनाएँ प्रक्रियाधीन हैं। इसमें सौर ऊर्जा की 3670 मेगावॉट की 68 परियोजनाएँ, पवन ऊर्जा की 6975 मेगावाट की 151 परियोजनाएँ, बॉयोमास ऊर्जा की 38 मेगावाट की 6 परियोजनाएँ और लघु जल विद्युत ऊर्जा की 264 मेगावाट की 57 परियोजनाएँ सम्मिलित हैं। अक्षय ऊर्जा के क्षेत्र में ऑफ ग्रिड आधारित अनेक योजनाएँ संचालित कर पर्यावरण को संतुलित करने और सुदूर क्षेत्रों को सुविधा देने का काम किया जा रहा है। इसमें विशेष है- घरेलू एवं कृषि उपयोगी सोलर पम्प, बॉयो-गैस संयंत्र, सोलर पॉवर पेक, सोलर स्ट्रीट लाइट, सोलर होम लाइट, सौर गर्म जल संयंत्र, सोलर कुकर आदि।

सोलर फोटोवोल्टिक पॉवर प्लांट: प्रदेश के आदिवासी छात्रावासों, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों, जेलों, वन विभाग, पुलिस बल की दूरस्थ ग्रामीण चौकियों/थानों, पातालकोट क्षेत्र के ग्रामों, शैक्षणिक संस्थाओं, पुलिस मुख्यालय इत्यादि में निर्बाध रूप से विद्युत प्रदाय के लिये सोलर फोटोवोल्टिक पॉवर पैक की स्थापना की गयी है। पिछले 11 वर्ष में 48 हजार 56 किलोवाट के संयंत्र स्थापित किये गये हैं। इन पर कुल व्यय लगभग 96 करोड़ रुपये हुआ। निजी एवं व्यावसायिक भवनों की छतों का उपयोग नवकरणीय ऊर्जा उत्पादन करने के लिये नेट-मीटरिंग नीति पर मंत्री-परिषद के अनुमोदन के बाद अमल की कार्यवाही प्रारंभ कर दी गयी है।

- पराग वराडपांडे

बेहतर कानून-व्यवस्था के कारण शांति का टापू बना मध्यप्रदेश

अच्छी कानून-व्यवस्था विकास की सबसे पहली शर्त है। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में पिछले 11 साल में बेहतर कानून-व्यवस्था के कारण मध्यप्रदेश को शांति का टापू कहा जाता है। यही वजह है कि देश-विदेश के निवेशक और उद्योगपति मध्यप्रदेश में निवेश के लिये लगातार आगे आ रहे हैं।

पुलिस बल में वृद्धि : मुख्यमंत्री श्री चौहान ने बढ़ती चुनौतियों का सामना करने के लिये चरणबद्ध तरीके से मध्यप्रदेश पुलिस बल में वृद्धि की प्रक्रिया शुरू की और अब तक 50 प्रतिशत से अधिक पुलिस बल वृद्धि मध्यप्रदेश में हुई है। मध्यप्रदेश में वर्ष 2005 में कुल 77 हजार 414 स्वीकृत बल था, जो अब बढ़कर एक लाख 19 हजार 750 हो गया है। इस दौरान 161 नये पुलिस थाने तथा 111 नई पुलिस चौकियाँ स्थापित की गयी हैं। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने जनसंख्या के अनुपात में प्रतिवर्ष 6000 पुलिसकर्मी के नये पद स्वीकृत करने की घोषणा की है। मध्यप्रदेश में विगत वर्षों में पुलिस बल के लिये 42 हजार से अधिक नये पद स्वीकृत किये गये हैं।

कमजोर वर्ग की सुरक्षा : पिछले 11 वर्ष में अनुसूचित जाति-जनजाति के विरूद्ध देश में होने वाले कुल अपराधों में मध्यप्रदेश का प्रतिशत कम हुआ है। महिलाओं के खिलाफ भी अपराध कम हुए हैं। महिलाओं के विरुद्ध हिंसा, बलात्कार और अत्याचार के मामलों में त्वरित न्याय के लिये विशेष न्यायालय गठित किये गये हैं। पुलिस मुख्यालय पर महिला अपराध शाखा, प्रत्येक जिले में राजपत्रित अधिकारी के प्रभार में महिला प्रकोष्ठ और 141 महिला डेस्क स्थापित की गयी हैं। सभी जिला मुख्यालय पर महिला अपराध हेल्पलाइन-1090 शुरू की गयी है। साथ ही सभी जिला मुख्यालय पर निर्भया पेट्रोलिंग की व्यवस्था है। मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा विद्यालय एवं महाविद्यालय स्तर पर कार्यशाला, प्रशिक्षण, सेमीनार के माध्यम से बालिकाओं को सुरक्षा एवं अपराध से बचाव के बारे में जागरूक किया जा रहा है।

डॉयल-100 : नागरिकों को त्वरित पुलिस सहायता उपलब्ध करवाने के उद्देश्य से देश में अपने प्रकार की अभिनव डॉयल-100 सेवा एक नवम्बर, 2015 से शुरू की गयी। इससे प्रतिदिन 5 से 7 मिनट में व्यक्ति को पुलिस की तत्काल मदद मिल रही है। इससे आम जनता में सुरक्षा का नया माहौल और विश्वास बना है। मध्यप्रदेश पुलिस की इस योजना को 17 दूसरे राज्य और केन्द्र-शासित प्रदेश अपने क्षेत्रों में लागू कर रहे हैं। बड़े शहरों में लूट जैसे गंभीर अपराधों पर रोक लगी है तथा अपराधियों में पुलिस की सक्रियता से दहशत पैदा हुई है।

सी.सी. टी.व्ही. कैमरे : जिला मुख्यालय और बड़े चिन्हित 61 शहर में निरंतर निगरानी तथा यातायात प्रबंध के लिये महत्वपूर्ण स्थानों और चौराहों पर सी.सी. टी.व्ही. कैमरे लगाये जा रहे हैं। उज्जैन, भोपाल, इंदौर, जबलपुर, ग्वालियर, खण्डवा, कटनी और सागर में यह काम अंतिम चरण में है। दूसरे चरण में सभी शेष 50 शहर के सुरक्षा तंत्र को सी.सी. टी.व्ही. कैमरे के माध्यम से मजबूत किया जायेगा।

सिंहस्थ : इसी वर्ष मई में उज्जैन में आयोजित सिंहस्थ के दौरान मध्यप्रदेश पुलिस बल की विनम्रता, कार्य-कुशलता और आचरण की व्यापक रूप से सराहना हुई। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में पुलिस की सख्त छवि बदली और उसे एक मददगार पुलिस बल के रूप में पहचान मिली। इसकी प्रशंसा देश ही नहीं, विदेशों में भी हुई।

सी.सी.टी.एन.एस. : क्राइम एण्ड क्रिमिनल ट्रेकिंग नेटवर्क एण्ड सिस्टम (सी.सी.टी.एन.एस.) भारत सरकार की मिशन-मोड योजना है। इसका उद्देश्य देश के सभी थानों को एकत्रित नेटवर्क एवं सॉफ्टवेयर के माध्यम से जोड़कर अपराध एवं अपराधी संबंधित सूचनाओं का आदान-प्रदान किया जाना है। सिस्टम के जरिये थानों में एफआईआर भेजना, केस-डायरी और अन्य सभी महत्वपूर्ण दस्तावेज के लिखने का काम पूरे प्रदेश में एक साथ करने में भी मध्यप्रदेश देश के अग्रणी राज्यों में है। सिस्टम से प्रदेश के सभी जिले एवं थाने जोड़े गये हैं।

नियमित मॉनीटरिंग : प्रदेश में गंभीर एवं सनसनीखेज अपराधों में अति-संवेदनशील प्रकरणों को चिन्हित कर उनकी नियमित मॉनीटरिंग की व्यवस्था की गयी है। सभी सूचीबद्ध डकैत गिरोह का सफाया किया गया है।

SAAP SOLUTION
Explore New Digital World
- All Types of Website Designing
  - Business Promotion, Lease Website
  - Industrial Product Promotion through industrialproduct.in
  - Get 2GB corporate mail account @ Rs 1500/- Per Annum per mail account with advance sharing feature
- Logo Designing by Experts
- Bulk SMS Services

For more details visit our website saapsolution.com
For enquires contact on 9425313619,
Email: info@saapsolution.com

रूखी-बेजान त्वचा के लिए बहुत फायदेमंद है अंगूर का फेस-पैक

अगर आपकी त्वचा भी रूखी, बेजान और बीमार नजर आने लगी है तो घबराने की जरूरत नहीं है. आप चाहें तो मौसमी फलों के इस्तेमाल से त्वचा की रंगत निखारी जा सकती है.

गर्मी के मौसम में तो त्वचा को वैसे भी खास देखभाल की जरूरत होती है. सूरज की तेज रोशनी, धूल, मिट्टी, गंदगी और दूसरे कई कारणों की वजह से हमारी त्वचा रंगत खो देती है. ऐसे में आप चाहें तो मौसमी फलों के इस्तेमाल से अपनी खोई निखरी-जवां त्वचा वापस पा सकते हैं.

अंगूर इन दिनों में आसानी से मिल जाने वाला फल है. आप चाहें तो इसके अलग-अलग फेस-पैक बना सकते हैं और नेचुरल ग्लो वापस पा सकते हैं.

अंगूर के इन फेस पैक की मदद से निखारे रूप-रंग:

1. अंगूर और पुदीने का फेस पैक

अंगूर को महीन पीस लें और इसमें पुदीने की कुछ पत्तियों को पीसकर मिला लें. आप चाहें तो इसमें नींबू के रस की कुछ बूंदें भी डाल सकते हैं. इन तीनों को अच्छी तरह मिला लीजिए. इस फेस पैक को चेहरे पर लगाकर 10 मिनट के लिए छोड़ दीजिए. उसके बाद चेहरे को हल्के गुनगुने पानी से धो लीजिए. इसके बाद बर्फ के एक टुकड़े को गुलाब जल में डुबोकर पूरे चेहरे पर मलें. इस पैक से चेहरे पर निखार तो आएगा ही साथ ही अगर आपकी त्वचा ऑयली है तो भी ये आपके लिए फायदेमंद रहेगा.

2. अंगूर और गाजर का फेस पैक

अंगूर को इतना पीस लीजिए कि वो एकसार हो जाए. इस पेस्ट में एक चम्मच क्रीम मिला लें. साथ ही एक चम्मच चावल का आटा और एक चम्मच गाजर का जूस मिला लें. इन सभी को अच्छी तरह मिला लें. इस पैक को चेहरे पर लगाकर छोड़ दें. जब ये सूख जाए तो इसे हल्के गुनगुने पानी से धो लें. इस मास्क के इस्तेमाल से त्वचा में कसाव आता है और ग्लो भी.

3. ऑयली स्किन के लिए अंगूर का फेस पैक

एक छोटी कटोरी में मुल्तानी मिट्टी ले लें. इसमें कुछ बूंदें नींबू के रस की और कुछ बूंदें गुलाब जल की मिला लें. इसके बाद इसमें अंगूर का पेस्ट अच्छी तरह मिला लें. इस पैक को चेहरे पर लगाकर 20 मिनट के लिए छोड़ दें. जब ये सूख जाए तो सामान्य पानी से चेहरा धो लें.

रूखी-बेजान त्वचा के लिए बहुत फायदेमंद है अंगूर का फेस-पैक
अगर आपकी त्वचा भी रूखी, बेजान और बीमार नजर आने लगी है तो घबराने की जरूरत नहीं है. आप चाहें तो मौसमी फलों के इस्तेमाल से त्वचा की रंगत निखारी जा सकती है.
गर्मी के मौसम में तो त्वचा को वैसे भी खास देखभाल की जरूरत होती है. सूरज की तेज रोशनी, धूल, मिट्टी, गंदगी और दूसरे कई कारणों की वजह से हमारी त्वचा रंगत खो देती है. ऐसे में आप चाहें तो मौसमी फलों के इस्तेमाल से अपनी खोई निखरी-जवां त्वचा वापस पा सकते हैं.
अंगूर इन दिनों में आसानी से मिल जाने वाला फल है. आप चाहें तो इसके अलग-अलग फेस-पैक बना सकते हैं और नेचुरल ग्लो वापस पा सकते हैं.
अंगूर के इन फेस पैक की मदद से निखारे रूप-रंग:
1. अंगूर और पुदीने का फेस पैक
अंगूर को महीन पीस लें और इसमें पुदीने की कुछ पत्तियों को पीसकर मिला लें. आप चाहें तो इसमें नींबू के रस की कुछ बूंदें भी डाल सकते हैं. इन तीनों को अच्छी तरह मिला लीजिए. इस फेस पैक को चेहरे पर लगाकर 10 मिनट के लिए छोड़ दीजिए. उसके बाद चेहरे को हल्के गुनगुने पानी से धो लीजिए. इसके बाद बर्फ के एक टुकड़े को गुलाब जल में डुबोकर पूरे चेहरे पर मलें. इस पैक से चेहरे पर निखार तो आएगा ही साथ ही अगर आपकी त्वचा ऑयली है तो भी ये आपके लिए फायदेमंद रहेगा.
2. अंगूर और गाजर का फेस पैक
अंगूर को इतना पीस लीजिए कि वो एकसार हो जाए. इस पेस्ट में एक चम्मच क्रीम मिला लें. साथ ही एक चम्मच चावल का आटा और एक चम्मच गाजर का जूस मिला लें. इन सभी को अच्छी तरह मिला लें. इस पैक को चेहरे पर लगाकर छोड़ दें. जब ये सूख जाए तो इसे हल्के गुनगुने पानी से धो लें. इस मास्क के इस्तेमाल से त्वचा में कसाव आता है और ग्लो भी.
3. ऑयली स्किन के लिए अंगूर का फेस पैक
एक छोटी कटोरी में मुल्तानी मिट्टी ले लें. इसमें कुछ बूंदें नींबू के रस की और कुछ बूंदें गुलाब जल की मिला लें. इसके बाद इसमें अंगूर का पेस्ट अच्छी तरह मिला लें. इस पैक को चेहरे पर लगाकर 20 मिनट के लिए छोड़ दें. जब ये सूख जाए तो सामान्य पानी से चेहरा धो लें.

आयुर्वेद व होमियोपैथी के अनुभवी डॉक्टरों द्वारा घर बैठे पायें उचित परामर्श व दवाईयां

आयुष समाधान

- सभी रोगों का अनुभवी डॉक्टरों द्वारा होमियोपैथी व आर्युवेद पद्धति से इलाज किया जाता है।
- रूपये 500/- से अधिक की दवाईयों पर निःशुल्क डिलेवरी
- किसी भी प्रकार की एलर्जी का इलाज किया जाता है।
- यौन रोगियों का सम्पूर्ण इलाज किया जाता है।
- रजिस्टर्ड डायटीशियन से वजन कम करने हेतु व अपने सही डाईट प्लान हेतु सम्पर्क करें

Email: info@ayushsamadhaan.com

www.ayushsamadhaan.com
FOR MORE DETAILS & BENIFITS VISIT OUR WEBSITE FOR REGISTRATION

नौकरी चाहिए तो अपने रिज्यूमे में भूल कर भी न लिखें ये बातें

हाल ही में हुए एक सर्वे में पता चला था कि नौकरी की तलाश करने वाले 57 फीसदी लोग अपने रिज्यूम में गलत जानकारियां देते हैं। ऐसा करने से उम्मीदवारों का इंप्रेशन इंटरव्यू देने से पहले ही खराब हो जाता है। इससे बचने के लिए रिज्यूमे बनाते समय सामान्य गलतियों से लेकर उसमें लिखी जाने वाली बातों पर बेहद ध्यान देने की जरूरत होती है।

उम्मीदवार अपने ऑब्जेक्टिव और क्वॉलिटी बताने में सबसे ज्यादा गलतियां करते हैं। हम यहां आपको कुछ ऐसी बातों के बारे में बताएंगे जो लगभग हर रिज्यूमे में देखने को मिलती हैं और इससे रिक्रूटर सबसे ज्यादा चिढ़ते हैं या बोर होते हैं.

1. मैं किसी भी संकट को खत्म कर सकता/सकती हूं

ज्यादातर रिक्रूटर इस बात को रिज्यूमे में देखना पसंद नहीं करते हैं। जब तक आपके पास अपनी बातों को साबित करने के लिए वैलिड प्वांइट्स न हो, भूल कर भी ऐसा न लिखें। रिज्यूमें में किसी भी संकट को खत्म करने का दावा करके आप अपने लिए परेशानी खड़ी कर लेते हैं।

2. मैं बेहतरीन कम्यूनिकेटर और अच्छा लिखने वाला/वाली हूं

आपकी इस स्किल का अंदाजा आपके रिज्यूमे की मदद से आसानी से लगाया जा सकता है। कम्यूनिकेश स्किल और राइटिंग स्किल के बारे में रिज्यूमे में जरूर बताना चाहिए लेकिन बढ़चढ़ के की गई बातें या खुद मियां मिट्ठु होना आपके करियर के लिए अच्छा नहीं होगा।

3. मैं टीम में काम करने में माहिर हूं

आप शायद नहीं जानते होंगे कि रिक्रूटर के पास जितने रिज्यूमे आते हैं, उनमें से ज्यादातर में यही बातें लिखी हुई होती हैं। अगर आपके पास सच में यह स्किल है तो अच्छी बात है। इंटरव्यू लेते समय पैनल यह जान लेगा कि आप वाकई टीम के साथ काम करने के लिए फिट हैं या नहीं। ऐसी जानकारियों से आप रिक्रूटर को बोर ही करेंगे।

4. मैं काफी परिश्रमी हूं

रिज्यूमे में यह लिखने कि कतई जरूरत नहीं है कि आप बहुत मेहनती हैं। अगर आप काबिल हैं तो आपके ब्लॉग, राइटअप, टेक्निकल स्किल्स और आपकी पढ़ाई-लिखाई इस बात की गवाही खुद दे देंगे। अगर सच में नौकरी पाना चाहते हैं तो अपने बारे में यह लिखने से बचें।

5. मैं दवाब में अच्छा काम करता/करती हूं

ऐसा कहने से रिक्रूटर आपसे यह नहीं कहने लगेंगे कि हम तो बस आपके जैसे लड़के/लड़कियों को खोज रहे थे। इसके उलट वो आपका रिज्यूमे देखकर अपना सर खुजाने लगेंगे। ऐसे में हमेशा सोच-समझकर लिखना चाहिए. अपने काम से प्यार करने वाला कोई भी शख्स दवाब में अच्छा आउटपुट दे ही नहीं सकता है। अगर वह कामचोर है तभी दवाब में काम करेगा। अपना इंप्रेशन खराब न करें।

जानें विदेश में पढ़ाई करना कैसे बनाता है स्मार्ट

विदेश में पढ़ाई करना आपके व्यक्तित्व को कई तरीकों से निखारता है। इससे आपके ज्ञान और अनुभव में तो बढ़ोतरी होती ही है, आपमें अकेले रहकर बहुत कुछ मैनेज करने का गुण भी आता है।

जानें विदेश में पढ़ाई का मौका आपमें किन गुणों को विकसित करता है

1. घर से बाहर निकलकर विदेश में अपनी पढ़ाई शुरू करना अलग अनुभव होता है। वहां का माहौल, लोग, वातावरण आदि मौजूदा स्थितियों से बिल्कुल अलग होते हैं। एकदम नए परिवेश में जाने पर जाहिर है शुरुआत में आपको घबराहट होगी। लेकिन धीरे-धीरे जब अपना तालमेल इसके साथ बैठाने लगेंगे तो फिर यही माहौल आपके अंदर एक विश्वास लेकर आएगा है। यह बदलाव आपको मानसिक रूप से मजबूत बनाएगा और आपको फिर अजनबियों के साथ सामंजस्य बैठाने में दिक्कत नहीं होगी।

2. विदेश में पढ़ने वाले युवाओं में एक खास बात यह भी होती है कि वे खासे क्रिएटिव हो जाते हैं। नए कल्चर में रहने के बाद उनमें दूसरों को अपनाने और हर पल में नया सोचने व करने की क्षमता आ जाती है। ऐसे में जहां आम लोग किसी नई चुनौती या उलझन में धैर्य खाने लगते हैं या बिना प्रयास के ही हार मानने लगते हैं, वहीं विदेश में पढ़ने वाले छात्र अलग तरीके से इसके समाधान के बारे में सोचते हैं।

3. आपमें पहले से ज्यादा लचीलापन आ जाता है। आप लोगों की मदद के लिए पहले से ज्यादा तत्पर हो जाते हैं। दूसरे मुल्क में लोगों को अपना बनाने की कोशिश आपको एक अच्छा इंसान बना देती है। आप छोटी-छोटी बातों से ऊपर उठकर सोचने लगते हैं।

4. विदेश में रहकर आप नई भाषाएं बहुत तेजी से सीखते हैं। इसकी खास वजह यह है कि आपके आस-पास का माहौल। आपके आस-पास एक नई भाषा में बातचीत होने आप उसे तेजी से सीखते हैं। इससे आपकी कम्यूनिकेशन स्किल्स भी सुधरती हैं। यही नहीं, आप लोगों के हाव-भाव से भी उनको समझने लगते हैं।

5. नए लोगों के साथ मिलने से हम उनकी आदतों और परंपराओं को भी आसानी से अपनाते हैं। इसका असर हमारे व्यक्तित्व पर पड़ता है। हम नई हॉबी और नए शौक बनाते हैं, जो हमें दूसरों से अलग बनाते हैं।

6. अकेले अपनी चीजों को बैलेंस करना आपको किसी भी परिस्थिति का सामना आसानी से करने के लिए मजबूत करेगा। घर से बाहर रहकर हम इतने स्ट्रॉन्ग हो जाते हैं कि मुसीबत पड़ने पर उसका सामना बड़ी ही आसानी से कर पाते हैं।

7. ऐसे में जो सबसे बड़ा परिवर्तन होता है, वो है जीवन के प्रति नजरिया बदल जाना। अब तक जिस जीवन को आप एक दायरे में जीते आ रहे हैं, विदेश में पढ़ाई आपको उससे बाहर निकलने में मदद करती है। इससे आपकी सोच का दायरा भी बढ़ता है और आप नई चीजों और कल्चर को आसानी से स्वीकार कर पाते हैं।

बी.बी.ए. फैमिली बिजनैस के विद्यार्थियों ने जानी निर्माण एवं गुणवत्ता की बारीकियाँ

CA के सिलेबस में किया जा रहा है बदलाव

इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंट्स ऑफ इंडिया (ICAI) ने मौजूदा आर्थिक परिदृश्य के हिसाब से चार्टर्ड अकाउंट के पाठ्यक्रम में बदलाव किया है, जिसे लेकर उसे सरकार से मंजूरी की प्रतीक्षा है। चार्टर्ड अकाउंटेंट कार्यक्रम के पाठ्यक्रम में हर 10 साल पर संशोधन किया जाता है और संबद्ध पक्षों से लंबे विचार-विमर्श के बाद इसे तैयार किया गया है। आईसीएआई के अध्यक्ष मनोज फड़णीस ने कहा, 'हमारा संशोधित पाठ्यक्रम केंद्र सरकार से मंजूरी मिलने की अग्रिम अवस्था में है। इसमें पूरी तरह से संशोधन किया गया है। इसे मंजूरी के लिये कारपोरेट कार्य मंत्रालय के पास भेजा गया है।' आईसीएआई कारपोरेट कार्य मंत्रालय के अधीन आता है। उन्होंने कहा, इसे 10 साल पर संशोधित किया जाता है। जब ऐसा करते हैं, हम पाठ्यक्रम और मौजूदा व्यापार एवं वाणिज्य की जरूरत के हिसाब से उसकी प्रासंगिकता को देखते हैं। पूर्ण पाठ्यक्रम को उन्नत बनाया गया है। मंत्रालय की मंजूरी के बाद पाठ्यक्रम पर लोगों की सार्वजनिक राय ली जाएगी। विभिन्न पक्षों से टिप्पणी प्राप्त करने के बाद अंतिम मसौदा मंत्रालय के पास भेजा जाएगा।

फड़णीस ने कहा कि संशोधित पाठ्यक्रम पर मंत्रालय से एक बार अंतिम मंजूरी मिलने के बाद इसे पांच से छह महीने में लागू किया जाएगा।

PRACHI
MATHS & SCIENCE TUTORIAL
(RUN BY PRACHI HUNDAL Ma'am
TEACHING SINCE 1992)
Exclusively for
6th, 7th, 8th, 9th, 10th
CBSE/ICSE
OUR USP'S ARE
● Small Batch Size
● Maths in all the batches by Prachi Hundal Ma'am
● Science by Senior faculties
REGISTER YOURSELF TODAY
BATCHES FROM
3rd April
VENUE : 313-9B SAKET NAGAR, NEAR SPS, BEHIND BSNL OFFICE
M. 9406542737

कहीं आपके ग्रह न बना दें आपको अहंकारी...

एक ही परमशक्ति पूरे ब्रह्मांड को चलाती है. फिर वो इंसान हो या कुदरत. लेकिन फिर भी कुछ लोग अपनी शक्ति और सामर्थ्य के गुमान में अहंकारी हो जाते हैं और अपने ही हाथों अपना भाग्य बिगाड़ लेते हैं. धन-वैभव और वंश का अहंकार. ज्ञान और सौंदर्य का अहंकार. बुद्धि और ताकत का अहंकार या फिर हैसियत का अहंकार. किसी भी रूप में अहंकार आपकी तरक्की का सबसे बड़ा दुश्मन बन सकता है.

अहंकार बड़े-बड़ों को मिट्टी में मिला देता है. यह सबके भीतर किसी न किसी रूप में होता है. फर्क बस इतना है कि किसी में कम तो किसी में ज्यादा होता है. कहते हैं कि किसी भी अच्छे काम में अगर अहंकार आ गया तो वो काम बुरा हो जाता है. क्योंकि जहां अहंकार है, वहां ईश्वर नहीं होते. ज्योतिष के जानकारों की मानें तो कुंडली में ग्रहों की बनती-बिगड़ती स्थिति इंसान को अहंकारी बनाती है तो आइए हम आपको बताते हैं कि कौन से ग्रह आपको अहंकारी बनाते हैं और अहंकार से कैसे बिगड़ सकता है आपका भाग्य.

कौन से ग्रह बनाते हैं अहंकारी

अहंकार मन से जुड़ी हुई भावना है. मन से आगे बढ़कर ये व्यवहार तक पहुंच जाता है. हर ग्रह अलग तरह का अहंकार पैदा करता है. अहंकारी बनाने में सबसे बड़ी भूमिका बृहस्पति और चन्द्रमा की होती है. बृहस्पति व्यक्ति को परम अहंकारी बनाता है. दूसरे ग्रहों के साथ मिलकर बृहस्पति अलग तरह का अहंकार पैदा करता है. अलग-अलग अहंकार से अलग समस्या भी पैदा होती है.

सूर्य और अहंकार का क्या संबंध है

पुश्तैनी जायजाद, दौलत और शोहरत अक्सर इंसान के दिमाग पर हावी हो जाते हैं. अहंकार उसी का नतीजा है. ज्योतिष के जानकारों की मानें तो कुंडली में सूर्य अगर मजबूत हो तो वह भी बना सकता है आपको अहंकारी.

- सूर्य वैभवशाली परंपरा और खानदान का अहंकार पैदा करता है
- कुंडली में सूर्य के ज्यादा मजबूत होने से ये अहंकार पैदा होता है
- आमतौर पर मेष, सिंह और धनु राशि वालों को ये अहंकार ज्यादा होता है
- सूर्य से मिला अहंकार संतान से जुड़ी समस्या देता है

चन्द्रमा और अहंकार का क्या रिश्ता है

हर इंसान के पास कोई न कोई गुण ज़रूर होता है, लेकिन किसी ङ्कीकिसी के पास कोई खास हुनर होता है जिसकी वजह से समाज में उन्हें विशेष मान-सम्मान मिलता है. लेकिन ज्योतिष कहता है कि ऐसे इंसान का चंद्रमा मज़बूत हो तो वो अहंकारी बन सकता है.

- चन्द्रमा गुणों का अहंकार पैदा करता है
- इसके अलावा चंद्रमा विशेष श्रेणी का अहंकार भी पैदा करता है
- कर्क, वृश्चिक और मीन राशि वालों को ये अहंकार ज्यादा होता है
- ये अहंकार अक्सर किस्मत को बिल्कुल उल्टा कर देता है

मंगल और अहंकार का क्या रिश्ता है

जो अपने अहंकार पर जीत हासिल कर लेते हैं उन्हें ही मिलती है जिंदगी के हर पहलू में जीत. लेकिन ज्योतिष के जानकारों की मानें तो जिनकी कुंडली में मंगल मज़बूत होता है, उनमें ताकत को लेकर अहंकार बढ़ने लगता है और यह उनकी तरक्की में सबसे बड़ी रुकावट बन सकता है.

- मंगल शक्ति का अहंकार पैदा करता है
- इस तरह के अहंकार में इंसान अपनी ताकत का गलत इस्तेमाल करने लगता है
- वृष, सिंह, वृश्चिक और कुम्भ राशि में ये अहंकार ज्यादा होता है
- ये अहंकार रिश्तों से जुड़ी समस्याएं देता है

बुध और अहंकार का क्या संबंध है

अगर आपमें कुछ विशेष योग्यता है या आपकी बुद्धि तेज है तो सावधान हो जाएं क्योंकि आपके ये गुण आपको अहंकारी बना सकते हैं. आपकी कुंडली का बुध आपको अहंकार की ओर ले जा सकता है.

- बुध योग्यता और बुद्धि का अहंकार देता है
- ऐसे लोग अपनी बुद्धि के सामने किसी को कुछ नहीं समझते
- मिथुन, कन्या और मकर राशि में यह अहंकार ज्यादा होता है
- ये अहंकार धन के बड़े नुकसान का कारण बनता है

बृहस्पति और अहंकार का क्या संबंध है

जिनके पास पारिवारिक संपन्नता, ऊंची हैसियत और अपार ज्ञान हो, उन्हें अहंकार से सावधान रहना चाहिए. अहंकार के कारण ये सब कुछ नष्ट हो सकता है.

- बृहस्पति ज्ञान और पारिवारिक हैसियत का अहंकार देता है
- इस अहंकार की वजह से लोग अपनी वाणी पर नियंत्रण खो देते हैं
- ऐसे लोग अक्सर दूसरों को अपने ज्ञान से परेशान करते हैं
- वृष, कन्या, धनु, मकर और मीन राशि में यह अहंकार ज्यादा होता है
- ये अहंकार अक्सर अपयश का कारण बनता है

शुक्र और अहंकार का क्या रिश्ता है

खूबसूरती सबको आकर्षित करती है. उस पर शान-ओ-शौकत की जिंदगी मिल जाए तो जिंदगी और भी रंगीन नज़र आने लगती है लेकिन इन्हीं रंगीनियों के बीच कब इंसान अहंकार के काले साये में समा जाता है उसे खुद भी पता नहीं चलता. शुक्र मज़बूत हो तो कैसे बढ़ता है अहंकार, जानें

- शुक्र रूप-सौंदर्य और शान-ओ-शौकत का अहंकार देता है
- इस अहंकार के कारण लोग अक्सर मूर्ख बनते हैं और पैसे बर्बाद करते हैं
- मिथुन, तुला और कुम्भ राशि में यह अहंकार ज्यादा होता है
- इस अहंकार की वजह से अचानक पैसों का बड़ा नुकसान झेलना पड़ता है

शनि और अहंकार का क्या रिश्ता है

काम हर इंसान करता है लेकिन कुछ लोगों को अपने काम करने की क्षमता और हुनर पर गुमान होने लगता है. ये होता है कुंडली के शनि के मज़बूत होने के कारण. आइए जानते हैं, शनि कैसे बना सकता है आपको अहंकारी.

- शनि काम करने की योग्यता का अहंकार देता है
- ये लोग किसी और के काम को अपने काम और मेहनत के सामने कुछ नहीं समझते
- वृष, सिंह, कन्या और मकर राशि वालों को ये अहंकार ज्यादा होता है
- ये अहंकार करियर में उतार-चढ़ाव की वजह बनता है

अहंकार से कैसे बचें?

- रोज सुबह उठकर अपने बड़ों के चरण स्पर्श करें
- रोज सुबह सूर्य को जल अर्पित करें
- सूर्य के सामने गायत्री मंत्र का जाप करें
- पन्ना और पुखराज कतई न पहनें
- हफ्ते में एक बार अन्न और वस्त्र का दान करें

किसी ने बिल्कुल सटीक कहा है कि अपने भीतर से अहंकार को निकालकर खुद को हल्का कीजिए क्योंकि ऊंचा वही उठता है जो हल्का होता है. अगर आप अपनी खूबियों और तरक्की को ताउम्र बरकरार रखना चाहते हैं तो अहंकार से दूर ही रहिए. अपनी तरक्की और सुख के लिए ईश्वर को धन्यवाद करते रहें. अहंकार के राक्षस से बचने का यही सबसे कारगर रास्ता है.

गुरुवार को किया ये काम, तो आएगी आर्थिक तंगी

हिन्दू धर्म में गुरुवार के दिन का महत्व बहुत ज्यादा है. क्योंकि गुरुवार का दिन सभी देवी-देवताओं के गुरु ब्रहस्पति का दिन होता है, साथ ही नौ ग्रहों में सबसे बड़े ग्रह का दिन होता है. गुरुवार के दिन भगवान विष्णु की अराधना की जाती है. इतना ही नहीं इस दिन विधि-विधान के साथ पूजा करने से गुरु ग्रह भी शांत रहता है.

नाखून ना काटें, शेविंग न करें: शास्त्रों के अनुसार बृहस्पति ग्रह को जीवन माना गया है यानी की आपकी उम्र. अगर आप इस दिन ये दोनों कम करेंगे तो आपका बृहस्पति ग्रह कमजोर होगा. जिसके कारण आपके जीवन में कई कठिनाई आएगी. साथ ही आपकी उम्र भी कम हो जाएगी.

जब धरती पर बढ़े पाप तब भगवान ने लिए ये अवतार

महिलाएं न धुले अपने बाल : शास्त्रों के अनुसार माना जाता है कि इस दिन महिलाओं को अपने बाल नहीं धोने चाहिए, क्योंकि महिलाओं की जन्मकुंडली में बृहस्पति पति का कारक होता है. साथ ही संतान का भी कारक होता है. जिसके कारण इस दिन बाल धोने से बृहस्पति ग्रह कमजोर होता है. जिससे शुभ काम होने में अड़चन और हमेशा बीमारी बनी रहती है. इसीलिए इस दिन बाल भी नहीं कटवाना चाहिए जिसका असर संतान और पति के जीवन पर पड़ता है. उनकी उन्नति बाधित होती है.

घर से संबंधित ये काम न करें : जिस तरह हमारे शरीर से संबंधित काम करने से बृहस्पति ग्रह उसी तरह घर में कपड़े धोना, पोछा लगाना, कबाड़ बाहर निकलना आदि आपके बृहस्पति ग्रह पर अधिक प्रभाव डालता है. वास्तु के अनुसार माना जाता है कि हमारे घर की दिशा ईशान कोण जिसका गुरु बृहस्पति ग्रह होता है. साथ ही इस दिशा का संबंध परिवार के बच्चों, शिक्षा और धर्म का होता है. इसलिए ये काम नहीं करना चाहिए. नहीं तो आपकी संतान, शिक्षा और धर्म में अशुभ प्रभाव पड़ता है.

कोच कुंबले के बिना विराट ब्रिगेड इंडीज रवाना, 23 को पहला वनडे

नई दिल्ली। टीम इंडिया वेस्टइंडीज दौरे के लिए वेस्टइंडीज रवाना हो गई. कोच अनिल कुंबले फिलहाल टीम के साथ नहीं हैं. चैंपियंस ट्रॉफी खत्म होने के साथ ही रविवार को अनिल कुंबले का एक साल का कॉन्ट्रैक्ट खत्म हो चुका है. हालांकि उन्हें कोच के तौर पर इंडीज दौरे के लिए बरकरार रखा गया था. लेकिन लंदन से इंडीज रवाना होने से ठीक पहले कुंबले ने बताया कि उन्हें 22 और 23 जून को लंदन में एक आईसीसी मीटिंग में शामिल होना है. वह इस मीटिंग को अटैंड करने के बाद ही टीम से जुड़ेंगे. कुंबले आईसीसी क्रिकेट कमेटी के चेयरमैन भी हैं. 23 जून से शुरू हो रही इंडीज सीरीज में पांच वनडे खेले जाएंगे. साथ ही इसके बाद दौरे का एकमात्र टी-20 खेला जाएगा.

पाकिस्तान से हार के बाद फिर उभरा 'मामला' : उधर, सूत्रों का मानना है कि चैंपियंस ट्रॉफी में पाकिस्तान के हाथों हार के बाद कोच कुंबले और कप्तान विराट के बीच सुलझता हुआ मामला फिर उलझ गया है. विराट ने फाइनल से एक दिन पहले क्रिकेट सलाहकार समिति (सीएसी) के समक्ष कुंबले को लेकर खुलकर आपत्ति जताई थी. जिससे सलाहकार समिति एम्पोपेश में है. यह वही सलाहकार समिति है, जिसमें सचिन तेंदुलकर, सौरव गांगुली और वीवीएस लक्ष्मण शामिल हैं, वह 8 जून को वर्ल्ड कप-2019 तक के लिए कोच के तौर पर कुंबले को अपनी पसंद बता चुकी हैं.

कोच के तौर पर शास्त्री ही विराट की पहली पसंद : वहीं, मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो कोच के तौर पर विराट कोहली की पहली पसंद रवि शास्त्री हैं. वह कुंबले से पहले बतौर डायरेक्टर और कोच टीम इंडिया से जुड़े थे. कोच चुनने की जिम्मेदारी सीएसी की है और इसमें शामिल तीनों सीनियर खिलाड़ी लंबे समय तक कुंबले के साथ ड्रेसिंग रूम साझा कर चुके हैं. इस पूर्व लेग स्पिनर के शानदार रिकॉर्ड को देखते हुए कोच के तौर हटाना बहुत मुश्किल है.

कोच के लिए सहवाग भी शामिल हुए दौड़ में : चैंपियंस ट्रॉफी के बाद अनिल कुंबले का बतौर कोच कार्यकाल खत्म हो रहा था, जिसे बीसीसीआई ने इंडीज दौरे तक बढ़ा दिया था. 25 मई को इस पद के लिए आवेदन मांगे गए थे. कोच के लिए बीसीसीआई के मंगाए आवेदनों में कुंबले को सीधे एंट्री मिली है. वहीं, पूर्व बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग भी इस दौड़ में शामिल हैं.

... लेकिन कुंबले के परफॉर्मेंस के सामने कोई नहीं : अनिल कुंबले के कोच रहते टीम इंडिया ने लगातार 5 टेस्ट सीरीज जीती हैं और वह नंबर-1 टीम का रुतबा हासिल कर चुकी है. कुंबले के कोच रहते भारत ने घरेलू सत्र में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए 13 में से 10 टेस्ट जीते, दो ड्रॉ खेले और सिर्फ एक गंवाया. इसके अलावा वेस्टइंडीज में टेस्ट सीरीज भी जीती. कुंबले के नाम 619 टेस्ट और 337 वनडे विकेट दर्ज हैं.

...तो क्या अब कोई भी टीम पाकिस्तान से नहीं छीन पाएगी चैंपियंस ट्रॉफी?

लंदन। चैंपियंस ट्रॉफी 2017 खत्म हो चुका है. अगली बार आईसीसी के इस बड़े टूर्नामेंट का आयोजन साल 2021 में भारत में होना है लेकिन उससे पहले ही एक बुरी खबर आ रही है. दरअसल अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद चैम्पियंस ट्रॉफी को खत्म करके उसकी जगह चार साल के अंतराल में दो टी20 विश्व कप के आयोजन पर विचार कर रहा है. आईसीसी के मुख्य कार्यकारी डेविड रिचर्डसन ने आज यह जानकारी दी.

भारत को 2021 में चैम्पियंस ट्रॉफी की मेजबानी के अधिकार मिले हैं. रविवार को फाइनल में पाकिस्तान ने भारत को 180 रन से हराकर खिताब जीता.

टूर्नामेंट की अपार सफलता के बावजूद रिचर्डसन ने कहा कि इसकी कोई गारंटी नहीं कि अगली चैम्पियंस ट्रॉफी 2021 में हो. इस मसले पर आईसीसी की सालाना कांफ्रेंस में इस सप्ताह बात की जायेगी.

रिचर्डसन ने आईसीसी की सालाना कांफ्रेंस से पहले फोन पर पत्रकारों से कहा, 'हम अपने वैश्विक टूर्नामेंटों के बीच अंतर रखना चाहते हैं ताकि दर्शकों की रूचि बनी रहे. फिलहाल अगली चैम्पियंस ट्रॉफी 2021 में भारत में होनी है. अगर चार साल में दो टी20 विश्व कप खेलने हैं तो चैम्पियंस ट्रॉफी रद्द करनी होगी.

'बाप कौन है?' बोलने पर भड़के शमी, धौनी ने रोका, नहीं तो करने जा रहे थे कुछ ऐसा

नई दिल्ली, जेएनएन। पाकिस्तान ने भारत को चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में 180 रन के बड़े अंतर से हराकर पहली बार इस टूर्नामेंट को अपने नाम कर लिया। लेकिन इस जीत के बाद पाकिस्तानी फैंस जीत के नशे में इतने चूर हो गए कि उन्होंने अपनी हद ही पार कर दी। मैदान पर मौजूद एक पाकिस्तानी दर्शक ने भारतीय खिलाड़ियों पर छींटाकशी की और विराट कोहली के साथ-साथ सभी भारतीय खिलाड़ियों के लिए अभद्र और उकसाने वाली भाषा का प्रयोग किया।

पाकिस्तानी समर्थकों ने टीम इंडिया को चिढ़ाया : मैच खत्म होने के बाद भारतीय टीम मैदान छोड़कर वापस ड्रेसिंग रूम की तरफ जा रही थी। तभी कुछ पाकिस्तानी समर्थक मैदान पर गाना गाने लगे और अपनी टीम की जीत का जश्न मनाने लगे, और जब भारतीय टीम के खिलाड़ी उनके पास से निकलकर जाने लगे तो वो टीम इंडिया के खिलाड़ियों को उकसाने और भड़काने के लिए भड़काऊ टिप्पणियां करने लगे। उन्होंने भारतीय कप्तान विराट कोहली को कहा कि, 'अकड़ टूट गई है। अकड़ टूट गई है तेरी कोहली सारी। हां, अकड़ टूट गई है।' कोहली ने हालांकि पूरी बात सुनने के बाद भी पाकिस्तानी प्रशंसक की इस हरकत को नजरअंदाज किया।

टूट गया शमी के सब्र का बांध : पाकिस्तानी फैंस भारतीय टीम के खिलाड़ियों को लगातार बोल रहे थे कि %अब बताओ बाप कौन है?% पाकिस्तानी समर्थकों के ऐसा बोलने के बावजूद भी सारे भारतीय खिलाड़ियों ने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। लेकिन फिर भी वो लोग बाज नहीं आए और टीम इंडिया पर लगातार अभद्र भाषा का प्रयोग करते रहे। तभी पास से गुजर रहे तेज़ गेंदबाज़ मोहम्मद शमी के सब्र का बांध टूट गया और वो वापस लौट कर उन पाकिस्तानी समर्थकों से बात करने आ ही रहे थे कि पीछे से आ रहे धौनी ने उन्हें शांत कराया और वापस ड्रेसिंग रूम की तरफ ले गए।

SWATI
Tution Classes
Don't waste time Rush
Immediately for
Coming Session 2017-2018
Personalized
Tution
up to
7th Class
for
All Subjets
Special Classes
for
Sanskrit
Contact: Swati Tution Classes
Sagar Premium Tower, D-Block, Flat No. 007
Mobile : 9425313620, 9425313619

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक : पराग वराडपांडे द्वारा महर्षि प्रिंटर्स प्रा.लि. प्लाट नं. 23-24 पर्मिला भवन, इन्द्रा प्रेस काम्प्लेक्स, एम.पी. नगर, जोन-1, भोपाल - म. प्र से मुद्रित कराकर, प्लाट नं. -12, सेक्टर-ए, परस्पर सोसायटी चूनाभट्टी, कोलार रोड, भोपाल से प्रकाशित। सम्पादक: पराग वराडपांडे, मो. 9826051505,आर.एन.आई. नं. **MPHIN/2015/66655, editor@trikaldrishti.com** (विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा।)